वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी) : महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं:

"कि भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934, बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949, भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955, बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन और अंतरण) अधिनियम, 1970, बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन और अंतरण) अधिनियम, 1980 का और संशोधन करने वाले विधेयक पर लोक सभा द्वारा पारित रूप में विचार किया जाए।"

...(**व्यवधान**)...

The question was proposed.

MR. CHAIRMAN: I now call upon the Members whose names have been received for participation in the discussion. ...*(Interruptions)*...

REGARDING NOTICES UNDER RULE 267- *Contd.*

SHRI DIGVIJAYA SINGH (Madhya Pradesh): Sir, the House is not in order. ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: The Leader of the House. ...*(Interruptions)*...

सभा के नेता (श्री जगत प्रकाश नड्डा): सभापति महोदय, जो घटना घटी है और जिस तरीके से चर्चाएं आई हैं, वे हमारे सदस्यों को बहुत ही उद्वेलित कर रही हैं। ...(**व्यवधान**)... इसके साथ ही साथ इनको ही उद्वेलित नहीं कर रही हैं, बल्कि सारा देश चिंता व्यक्त कर रहा है। ...(**व्यवधान**)... देश की सिक्योरिटी, देश की सुरक्षा बहुत महत्वपूर्ण विषय हैं और जिस तरीके से खबरे आ रही हैं कि Forum of Democratic Leaders in Asia Pacific (FDL-AP) का संबंध जिस तरीके से जॉर्ज सोरोस के साथ सामने आता है, वह बहुत ही चिंताजनक है। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: I will call after the Leader of the House ...*(Interruptions)*...

श्री जगत प्रकाश नड्डा: जिसकी को-प्रेज़िडेन्ट ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Only what the Leader of the House says will go on record. ...*(Interruptions)*...

श्री जगत प्रकाश नड्डा: जिसकी को-प्रेज़िडेन्ट हमारे इसी हाउस की एक सदस्या हैं और यह जो Forum of Democratic Leaders in Asia Pacific (FDL-AP) है, यह जम्मू-कश्मीर स्टेट को एक अलग एनटीटी के रूप में देखता है। ...(**व्यवधान**)... यह चिंता की बात भी है कि इस संगठन,

FDL-AP, का फाउंडेशन कश्मीर को सेपरेट एनटीटी के रूप में देखता है, वहीं उसका फाइनेंसिंग सपोर्ट सिस्टम राजीव गांधी फाउंडेशन से भी जुड़ता है। ...(**व्यवधान**)... इसलिए यह बहुत ही चिंताजनक विषय है और यह भारत की छवि को धूमिल करता है। ...(**व्यवधान**)... यह हमारे सिक्युरिटी सिस्टम पर प्रश्न खड़ा करता है। ...(**व्यवधान**)... जिस तरीके से कांग्रेस देश के हितों के साथ खिलवाड़ कर रही है, उस पर देश चिंतित है। ...(**व्यवधान**)... इसलिए हमारे लोग चाहते हैं कि इस पर चर्चा हो।

सभापति महोदय, मेरे ध्यान में एक और बात आती है कि कांग्रेस के वरिष्ठतम नेता विदेश में जाते हैं और वहाँ भी वही भाषा बोलते हैं, जिसको जॉर्ज सोरोस प्रोपेगेट करता है। महोदय, इतना ही नहीं, जॉर्ज सोरोस के फंडिंग प्रोसेस से जो पब्लिकेशन्स, जो फोरम्स और जो फाउंडेशन्स प्रोपेगेट करते हैं, उनको कांग्रेस का वरिष्ठतम नेता यहाँ पर उठाता है और देश को डिस्टेब्लाइज करने में अपना योगदान देता है। ...(**व्यवधान**)... महोदय, इसी बात को ध्यान में रखते हुए हम लोग चाहते हैं कि इस पर चर्चा हो। यह देश की आंतरिक सुरक्षा और बाहरी सुरक्षा के संदर्भ में है। सभापति जी, मैं आपको बताना चाहता हूं कि under the dynamic leadership of Prime Minister, Shri Narendra Modi, India has taken a long leap. Now, India, which was the eleventh-largest economic power in the world, has become the fifth-largest economic power in the world. देश पाँचवीं आर्थिक शक्ति बन गया है और अब तीसरी आर्थिक शक्ति बनने के लिए के लिए आगे बढ़ चुका है। महोदय, इसके साथ-साथ, हम जिस विकसित भारत के संकल्प को बढ़ा रहे हैं, उससे जॉर्ज सोरोस और उनकी फाउंडेशन को चिंता हुई है और वे उनके माध्यम से, बहुत से संगठनों के माध्यम से भारत में instability लाना चाहते हैं, अस्थिरता लाना चाहते हैं और कांग्रेस उस अस्थिरता का टूल बन रही है, उसका शस्त्र बन रही है, इसलिए इस पर चर्चा होनी चाहिए। ...(**व्यवधान**)... महोदय, इस पर गहन चर्चा होनी चाहिए। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Now, the Leader of the Opposition. *...(Interruptions)...* Please. *...(Interruptions)...*

विपक्ष के नेता (श्री मल्लिकार्जुन खरगे): सभापति जी, इन्हें देखिए। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: I request the Leader of the House and the Leader of the Opposition to kindly spare time to see me in my Chamber so that this logjam in this House is brought to an end. *...(Interruptions)...* I appeal to both of them to see me in my Chamber. *...(Interruptions)...*

श्री मल्लिकार्जुन खरगे: मुझे सदन में बोलने दीजिए। ...(**व्यवधान**)... Sir, you are doing *...(Interruptions)...*

MR. CHAIRMAN: Now, the Leader of the Opposition. ...*(Interruptions)*... Please speak. ...*(Interruptions)*... Please pay heed to my appeal to see me in my Chamber also. ...*(Interruptions)*...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सभापति जी, लीडर ऑफ दि हाउस जो बोले हैं, वह सरासर ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: The House stands adjourned to meet at 3.00 p.m. today.

The House then adjourned at nine minutes past two of the clock.
The House reassembled at three of the clock,
MR. CHAIRMAN *in the Chair.*

SOME HON. MEMBERS: *Sir, ...(Interruptions)...*

MR. CHAIRMAN: Hon. Members, I need to inform ...*(Interruptions)*... One minute. ...*(Interruptions)*... Sanjay*ji*, take your seat. ...*(Interruptions)*... Hon. Members, I had, in my Chamber, a meeting with the Leader of the House and the Leader of the Opposition. The purpose of that meeting was to ensure that the House runs smoothly. ...(*Interruptions*)... Both sides, including some other floor leaders who are present here, like Shri Tiruchi Siva, Shri Pramod Tiwari and Shri Jairam Ramesh, had a frank discussion and they signaled two things; one, that integrity and sovereignty of the nation is sacred for us. We cannot allow any forces within the country or outside to sacrilege our unity, our integrity and our sovereignty. ...(*Interruptions*)... The leaders had a frank discussion. They have agreed to meet in my Chamber tomorrow at 10.30 a.m.

OBSERVATION BY THE CHAIR

MR. CHAIRMAN: I would appeal to all the Members of the House to carefully consider the oath of the Constitution they have taken. Their oath is very specific. ...(*Interruptions*)... They have to ensure integrity of the nation on a priority basis. Any challenge to the unity of the nation, to the integrity of the nation, from within or outside, requires all of us to offer united challenge. This is not a challenge to one section or the other. ...(*Interruptions*)... This is a challenge to our very existence. We, as a nation, are committed to fight these sinister forces, these forces which are